

पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम अंग्रेजी भाषा के 'Curriculum' शब्द का पर्यायवाची है। जिसकी उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द 'Curere' से हुई है। जिसका अर्थ है - 'देखभाल करना'। अर्थात् शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यक्रम की तुलना उस दौड़ के मैदान से की गई है, जिसको पार करने वाला या पार करके दौड़ने वाला (विद्यार्थी) अपने गन्तव्य स्थान तक पहुँचता है।

मुन्रो महोदय के अनुसार - "पाठ्यक्रम में वे सभी अनुभव सम्मिलित होते हैं, जिन्हें शिक्षा के उद्देश्यों को धर्म के विश्व विद्यालय प्रयोग में लेता है।"

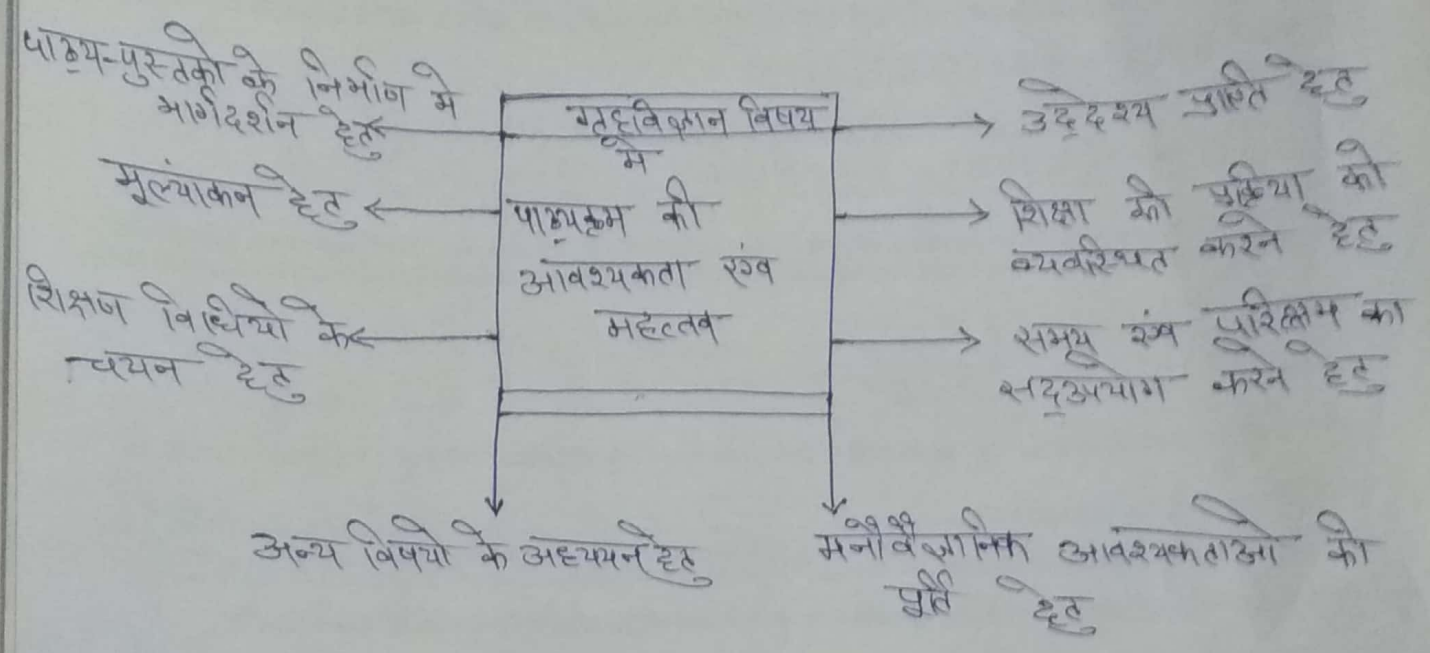
(Definitions)

- ① फ्रैबेल के शब्दों में, "पाठ्यक्रम को मानव जाति के सम्पूर्ण ज्ञान एवं अनुभव का केन्द्र बिन्दु समझा जाना चाहिए।"
- ② किलपैट्रिक के शब्दों में "पाठ्यक्रम हमारे जीवन का उस सीमा तक सम्पूर्ण जीवन है, जिस सीमा तक शिक्षा उसे अच्छा या बुरा मानने का उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।"

(गृह विज्ञान पाठ्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्व)

गृह-विज्ञान पाठ्यक्रम के महत्व एवं आवश्यकता को निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है -

शिक्षा के उन सभी उद्देश्यों की पूर्ति में गृह-विज्ञान की प्रभावी भूमिका है, जिसके कारण उसका ज्ञान सभी के लिए आवश्यक है -



पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या

पाठ्य-विवरण या पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम का एक भाग अथवा एक इकाई है, पाठ्यक्रम द्वारा बच्चे के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास किया जाता है, जबकि पाठ्य-विवरण (Syllabus) द्वारा बच्चे के संज्ञानात्मक पक्ष को ही विकसित किया जाता है। पाठ्यक्रम (Curriculum) में पाठ्य-विवरण शामिल रहता है।

Continue---